करना होता है और इन गाड़ियों के थोड़ी सी भी देर से आने पर 2 एस. बी. गाड़ी के प्रस्थान में देर हो जाती है और परिणामतः समदरी में 2 जे. बी. सवारी गाड़ी से उसका मेल नहीं हो पाता ।

(घ) अब 65 और 65ए गाड़ियों के चालन पर निगरानी रखी जा रही है ताकि भीलडी में इनका ठीक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके ।

1979 में बाढ़ों से जोधपुर डिवीजन को हानि

1545. **श्री अशोक गहलोत :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे के जोधपुर डिवीजन को जून-जुलाई, 1979 में हुई भारी वर्षा और बाढ़ों से कितनी हानि हुई;

(ख) जोधपुर डिवीजन के उन रेल मार्गों के नाम क्या हैं जिन पर यातायात ठप्प रहा और कितनी अवधि तक ठप्प रहा;

(ग) इन रेल-मार्गों की मरम्मत के लिए क्या कदम उठाये गये, मरम्मत में कितना समय लगा और उस पर कितना खर्च आया;

(घ) क्या निर्माण कार्य पूरा हो गया है;

(ङ) यदि हां, तो भविष्य में भारी वर्षा और बाढ़ों से रेलवे यातायात ठप्प न होने देने के लिए सरकार का क्या कदम उठाने का विचार है; और

(च) यदि कोई कदम नहीं उठाये जा रहे हैं तो इसका क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) टूटी हुई पटरी को फिर से बिछाने, क्षतिग्रस्त इमारतों की मरम्मत और स्थायी निवारक उपाय करने के लिए लगभग 4.23 करोड़ रुपये ।

(ख) 1979 में बाढ़ के कारण उत्तर रेलवे के जोधपुर मण्डल में जिन मार्गों पर यातायात अस्त-व्यस्त हो गया था, वे इस प्रकार हैं:—

खण्ड	जिस अवधि में यातायात अस्त-व्यस्त रहा
1. डेगाना-जोधपुर	16-7-79 से 21-7-79
2. मेड़ता रोड़-मेड़ता सिटी	16-7-79 से 31-7-79
3. जोधपुर-लूनी	16-7-79 से 29-7-79
4. लूनी-समदड़ी	16-7-79 से 29-7-79
5. समदड़ी-बलोतरा	16-7-79 से 24-8-79
6. लूनी-मारवाड़	16-7-79 से 7-8-79
7. समदड़ी-मोकालसर	16-7-79 से 6-8-79
8. पिपार रोड-विलाड़ा	16-7-79 से 26-12-79
9. बलोतरा-पचपदरा साल्ट डिपो	16-7-79 से 17-9-79
10. बलोतरा-गोले	16-7-79 से 17-9-79

(ग) यातायात को फिर से चालू करने के उद्देश्य से विभिन्न खण्डों में क्षतिग्रस्त पटरी की मरम्मत के लिए तत्काल उपाय किये गये और अब तक इस काम पर 2.10 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं । प्रभावित खण्डों पर यातायात को फिर से चालू करने में जो समय लगा, उसका ब्यौरा पहले ही भाग (ख) के उत्तर में दिखाया जा चुका है । पुलों को फिर से बनाने, सुरक्षा-कार्य, संरेखण को ऊंचा करने आदि स्थायी निवारक उपाय जारी हैं ।

(घ) पटरी की मरम्मत और यातायात को फिर से चालू करने के लिए अपेक्षित कार्य पूरे किये जा चुके हैं। भविष्य में बाढ़ से क्षति न हो, इसके लिए निवारक उपाय अभी जारी हैं।

(ङ) भारी वर्षा और बाढ़ के कारण यातायात अस्त-व्यस्त न हो, इसके लिए रेल-पथ को मजबूत बनाने, पुलों को फिर से बनाने, संदर्शी-बांध की व्यवस्था करने आदि उपाय किये जा रहे है। भविष्य में पटरी को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए जोधपुर-मेड़ता रोड खण्ड के संरेखण को ऊंचा किया जा रहा है।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

मरूधर एक्सप्रेस

1546. **श्री अशोक गहलोत :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मरूधर एक्सप्रेस के लिए अतिरिक्त इंजन और सवारी डिब्बों हेतु कोई प्रबंध नहीं किया है;

(ख) क्या मरूधर एक्सप्रेस में पैंट्री कार और चेयर-कार की सुविधा उपलब्ध नहीं है;

(ग) क्या सरकार का विचार मरूधर एक्सप्रेस का जोधपुर-जयपुर से प्रस्थान समय आगे बढ़ाने और इन नगरों के बीच की दूरी तय करने के समय में कमी करने का है;

(घ) यदि हां, तो सरकार का मरूधर एक्सप्रेस की इन कमियों को कब दूर करने का इरादा है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) इस एक्सप्रेस गाड़ी की उपयोगिता की वर्तमान मात्रा को देखते हुए, इसमें पर्याप्त सवारी डिब्बे लगाये जा रहे हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) से (ङ). 1-11-80 से 504 जोधपुर-जयपुर मरूधर एक्सप्रेस गाड़ी का चालन समय 15 मिनट कम कर दिया गया है। 503/504 मरूधर एक्सप्रेस गाड़ियों के चालन-समय में और कमी करना व्यावहारिक नहीं पाया गया है। पेन्ट्री और कुर्सी यानों की कमी के कारण, फिलहाल मरूधर एक्सप्रेस गाड़ी में पेन्ट्री और कुर्सी-यान लगाना व्यावहारिक नहीं है।

बाड़मेर जिले में पाकिस्तान को जाने वाला एक नया मार्ग खोलना

1547. **श्री अशोक गहलोत :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का बाड़मेर जिले के खाकेरपार-मॉ० से होते हुए पाकिस्तान को जाने के लिए एक नया मार्ग खोलने का विचार है;

(ख) क्या सरकार ने इस विषय में पाकिस्तान सरकार से बात-चीत की है; और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में क्या प्रगति की गई है?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव): (क) से (ग): पाकिस्तान के विदेश मंत्री की 15 से 17 जुलाई, 1980 तक भारत यात्रा के दौरान उनके साथ जो औपचारिक बातचीत हुई थी उसमें भारत द्वारा खोखरापार-मुनाबो चौकी खोलने का प्रश्न उठाया गया था। पाकिस्तान की सरकार ने बताया है कि इस विषय पर वह विचार कर रही